पूर्णाङ्क- १००, उत्तीर्णाङ्क- ३६

होरा- ९०

वेद/कर्मकाण्ड/अर्चक

षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

प्रथम खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
पवित्रीकरण,आचमन,पवित्रीधारण, तिलकधारण, शिखाबन्धन, यज्ञोपवीत पूजन, धारण एवं विसर्जन विधि,प्राणायाम, स्वस्तिवाचन, सङ्कल्प,कर्मपात्र निर्माण विधि,दीपस्थापन पूजन	पवित्र होने की विधि, तथा मन्त्र,आचमन के नियम तथा मन्त्र, पवित्री निर्माण विधि, पवित्री के प्रकार, पवित्रीधारण के महत्व तथा मन्त्र, तिलक के प्रकार, तिलकधारण के महत्व तथा मन्त्र, शिखा केप्रकार, शिखाबन्धन के महत्व तथा मन्त्र, प्राणायाम के प्रकार, प्राणायाम के महत्व तथा मन्त्र, स्वस्तिवाचन (वैदिक एवं लौकिक) का तात्पर्य तथा मन्त्र, सङ्कल्प का उद्देश्य तथा विधि, कर्मपात्र निर्माण की आवश्यता, दीपक का महत्व एवं पूजन विधान	४
षोडशोपचार पूजन	ध्यान, आवाहन, आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्रोपवस्त्र, यज्ञोपवीत, गन्ध, अक्षत, पुष्प, दूर्वा, बिल्वपत्र, नानापरिमल, सिन्दूर, इत्र धूप, दीप, नैवेद्य, उद्वर्तन, ऋतुफल, ताम्बूल, दक्षिणा, आरती, मन्त्रपुष्पाञ्जलि, विशेषार्घ्य, प्रार्थना	३
संकटनाशन स्तोत्र, गणेशाथर्वशीर्ष, श्रीसूक्त, गणपति स्तोत्र, कलश पूजन, पुण्याहवाचन	स्तोत्रों का उच्चारण तथा उनका माहात्म्य,कलश का महत्व, स्वरूप तथा षोडशोपचार पूजन विधान, पुण्याहवाचन की आवश्यकता तथा विधान	५
ऋगादि चतुर्वेद संहिताओं के स्वर एवं उच्चारण विधि तथा ऋग्वेद एवं	ऋग्वेद, शुक्लयजुर्वेद, कृष्णयजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद का परिचय तथा उनके मन्त्रों के स्वरोच्चारण का विधान तथा ऋग्वेद, शुक्लयजुर्वेद,	१०

यजुर्वेदीय ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय एवं वर्ण्य विषय सामवेद एवं अथर्ववेदीय ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय एवं वर्ण्य विषय	कृष्णयजुर्वेद,सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय ब्राह्मण ग्रन्थों के नाम तथा विषय वस्तु का प्रतिपादन	

द्वितीय खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
रुद्राष्टाध्यायी- प्रथम, द्वितीय अध्याय तथा दुर्गासप्तशती कवच, अर्गला तथा कीलक, शिवमानस पूजन, द्वादश ज्यातिर्लिंग, रुद्राष्टकम् तथा शिवपञ्चाक्षर स्तोत्र	रुद्राष्टाध्यायी के प्रथम तथा द्वितीय अध्याय का शुद्ध उच्चारण के साथ कण्ठस्थीकरण तथा दुर्गासप्तशती के कवच, अर्गला तथा कीलक स्तोत्रों का शुद्ध उच्चारण के साथ पाठाभ्यास तथा उसके भावार्थ का ज्ञान, स्तोत्रों का उच्चारण, कण्ठस्थाकरण तथा उनका माहात्म्य	७
षोडशमातृका, सप्तघृतमातृका पूजन, आयुष्यमन्त्रजप, नान्दीश्राद्ध, आचार्यादिवरण तथा रक्षाविधान	षोडशमातृकाओं के नाम तथा पूजन विधि, सप्तघृतमातृकाओं के नाम तथा पूजन विधि, आयुष्यमन्त्रों का पाठ, नान्दीश्राद्ध विधि, आचार्यादि वरण विधि तथा रक्षा विधान विधि	४
रुद्राष्टाध्यायी तथा दुर्गासप्तशती	रुद्राष्टाध्यायी के तृतीय, चतुर्थ अध्याय तथा दुर्गासप्तशती के न्यास जप विधि सहित प्रथम चरित्र के पाठ का अभ्यास तथा भावार्थ ज्ञान	५
वेदाङ्ग परिचय	शिक्षा, व्याकरण, ज्योतिष, निरुक्त, छन्द तथा कल्प वेदाङ्गों का परिचय	६

तृतीय खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
कुशकण्डिका, अरणिमन्थन विधि, पंचभूसंस्कार,नवग्रह मण्डल रचना तथा नवग्रह मण्डल पूजन	कुशकण्डिका प्रयोग, अरणिमन्थन प्रयोग, पञ्चभूसंस्कार विधि, नवग्रह मण्डल निर्माण विधि, नवग्रह मण्डल में अधिदेवता, प्रत्यधिदेवता, पंचलोकपाल तथा दशदिक्पालों सहित ग्रहों का आवाहन स्थापन तथा पूजन विधि	७
रुद्राष्टाध्यायी तथा दुर्गासप्तशती	रुद्राष्टाध्यायी के पञ्चम, षष्ठ, सप्तम अध्याय तथा दुर्गासप्तशती के मध्यम चरित्र तथा उत्तम चरित्र के पञ्चम, षष्ठ अध्याय के पाठ का अभ्यास	८
सत्यनारायण व्रतकथा विधि,दीपावली पूजन तथा सामान्य पञ्चाङ्ग ज्ञान	सत्यनारायण व्रतकथा तथा हवन पूजन विधि, दीपावली पूजन विधि, तिथि वार, नक्षत्र योग, करण सहित सामान्य मुहूर्तों का ज्ञान	६
वेद काल निर्णय तथा व्याख्यान पद्धति	वेदों के काल का निर्णय तथा उनकी व्याख्या विधि	१

चतुर्थ खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
प्रथम पत्र की प्रयोग विधि	पवित्रीकरण से लेकर स्वस्तिवाचन, सङ्कल्प सहितदीपक का महत्व एवं पूजन विधान,षोडशोपचार पूजन विधि सहित विविध स्तोत्र पाठ विधि तथा माहात्म्य,रुद्राष्टाध्यायी के तृतीय, चतुर्थ अध्याय तथा दुर्गासप्तशती के न्यास जप विधि सहित प्रथम चरित्र के पाठ का अभ्यास तथा	९
द्वितीय पत्र की प्रयोग विधि	मातृकाओं सहित रक्षाविधान पर्यंत प्रयोग	२
तृतीय पत्र की प्रयोग विधि	रुद्राष्टाध्यायी के पञ्चम सेसप्तम अध्याय तथा दुर्गासप्तशती के मध्यम चरित्र से उत्तम चरित्र के सप्तम अध्याय पर्यंत पाठ प्रयोग विधि	६
तृतीय पत्र की प्रयोग विधि	विविध पूजन कथा विधि सहित पञ्चाङ्ग ज्ञान का प्रयोग	५